भारत सरकार

विधि और न्याय मंत्रालय

न्याय विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4718

जिसका उत्तर शुक्रवार, 20 मार्च, 2026 को दिया जाना है

बिहार में लंबित आपराधिक मामले

4718. डॉ. आलोक कुमार सुमनः

क्या **विधि और न्याय** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आज की तिथि के अनुसार बिहार में लंबित दीवानी और आपराधिक मामलों की कुल संख्या कितनी है ;

(ख) गोपालगंज सहित ऐसे लंबित मामलों का जिला-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) मामलों के बैकलॉग के लिए चिह्नित किए गए कारण क्या है ;

(घ) लंबित मामलों को कम करने और विचारण की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) बिहार में मामलों के समय पर निपटान के लिए सरकार द्वारा क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ?

उत्तर

विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); और
संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री अर्जुन राम मेघवाल)

(क) एवं (ख) : राष्ट्रीय न्यायिक आँकड़ा ग्रिड (एन.जे.डी.जी.) पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 16 मार्च 2026 तक बिहार में लंबित सिविल और दांडिक मामलों की कुल संख्या निम्नानुसार है:

अदालत	सिविल मामले	दांडिक मामले	कुल योग
पटना उच्च न्यायालय	1,14,879	1,03,237	2,18,116
जिला और अधीनस्थ न्यायालय, बिहार	5,38,494	31,72,892	37,11,386

16 मार्च 2026 की स्थिति तक जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित मामलों का जिलावार वितरण उपाबंध में दिया गया है ।

(ग) से (ड़) : विभिन्न न्यायालयों में लंबित मामलों का निपटारा न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। संबंधित न्यायालयों द्वारा विभिन्न प्रकार के मामलों के निपटारे के लिए कोई निश्चित समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। न्यायालयों में मामलों का समय पर निपटारा कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें अन्य बातों के अतिरिक्त, पर्याप्त संख्या में न्यायाधीशों और न्यायिक अधिकारियों की उपलब्धता, सहायक न्यायालय कर्मचारी और भौतिक अवसंरचना, सुसंगत तथ्यों की जटिलता, साक्ष्य की प्रकृति, हितधारकों अर्थात बार एसोसिएशन, जांच एजेंसियों, गवाहों, वादियों का सहयोग और नियमों एवं प्रक्रियाओं का उचित अनुप्रयोग आदि सम्मिलित हैं। तथापि, सरकार संविधान के अनुच्छेद 21 के अधीन अनिवार्य रूप से मामलों के शीघ्र निपटान और लंबित मामलों की संख्या कम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार ने न्यायपालिका द्वारा मामलों के त्वरित निपटान के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने हेतु कई पहल की हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ , न्यायालयों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा, कम्प्यूटरीकरण, अधीनस्थ न्यायपालिका की संख्या में वृद्धि, अत्यधिक मुकदमेबाजी वाले क्षेत्रों में नीतिगत और विधायी उपाय, मामलों के त्वरित निपटान के लिए न्यायालयिक प्रक्रिया का पुनर्गठन और मानव संसाधन विकास पर बल देना सम्मिलित है।

****

उपाबंध

'बिहार में लंबित दांडिक मामलों' के संबंध में लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 4718 जिसका उत्तर तारीख 20.03.2026 को दिया जाना है के भाग (ख) के उत्तर में निर्दिष्ट विवरण

बिहार के जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित मामलों का जिलावार वितरण, तारीख के अनुसार

क्रमांक	जिले का नाम	सिविल मामले	दांडिक मामले	कुल योग
1	पटना	49,040	4,18,251	4,67,291
2	कैमूर, भभुया	15,356	39,634	54,990
3	समस्तीपुर	22,518	97,936	1,20,454
4	सरन छपरा	24,445	1,33,039	1,57,484
5	कटिहार	10,305	68,122	78,427
6	बेगुसराय	13,081	80,214	93,295
7	बंका	6,576	52,059	58,635
8	पूर्णिया	8,680	73,310	81,990
9	मोतीहारी	22,462	1,48,518	1,70,980
10	मुंगेर	7,167	49,947	57,114
11	माधेपुरा	11,335	47,133	58,468
12	रोहतास सासाराम	21,973	86,621	1,08,594
13	खगरिया	4,456	49,208	53,664
14	जामुई	5,697	47,895	53,592
15	औरंगाबाद	9,498	59,582	69,080
16	दरभंगा	17,403	83,983	1,01,386
17	मधुबनी	13,572	93,948	1,07,520
18	लखीसराय	3,360	32,500	35,860
19	शेखपुरा	2,097	16,659	18,756
20	सहरसा	10,929	59,193	70,122
21	सुपौल	7,615	56,950	64,565
22	गोपालगंज	22,631	86,901	1,09,532
23	अररिया	6,373	67,314	73,687
24	किशनगंज	2,427	26,063	28,490
25	बक्सर	16,346	50,668	67,014
26	नवादा	13,084	80,519	93,603
27	बेतिया	15,140	1,19,235	1,34,375
28	सीवान	21,712	93,693	1,15,405
29	नालंदा	12,414	1,15,362	1,27,776
30	सीतामढ़ी	10,856	74,093	84,949
31	भोजपुर	21,638	89,577	1,11,215
32	भागलपुर	19,876	1,12,037	1,31,913
33	गया	25,891	1,41,171	1,67,062
34	जहानाबाद	7,106	44,976	52,082
35	शिवहर	1,710	12,594	14,304
36	मुजफ्फरपुर	27,358	1,74,468	2,01,826
37	वैशाली	26,367	89,519	1,15,886
38	अरवल		NA	NA

स्रोत: राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एन.जे.डी.जी.)

#अरवल जिला जहानाबाद न्यायपालिका का एक उप-विभागीय न्यायालय है और जहानाबाद न्यायपालिका के अरवल उप-विभाग से संबंधित डाटा जहानाबाद में ही उपदर्शित होता है।

****